

30/01/2018

पत्रावली पेश हुई। वादी मत्र अधिवक्ता अनुपस्थित।
पूर्व प्रोसिडिंग अनुसूच्य प्रतिवादी संख्या 3 के सही
पताभुक्त सम्मन आण भी प्रस्तुत नहीं हुए हैं।
न्यायक्षेत्र में मौका दिया जाता है।

अतः पत्रावली पूर्वानुसार प्रतिवादी
संख्या 3 के सही पताभुक्त सम्मन पुनः पेश
करने हेतु आईन्दा दिनांक 27/02/2018 का
पेश धर्व



27 ²/₁₈

पत्रावली पेश हुई। वादी-प्रतिवादी उपस्थित।
पीठासीन अधिकारी बैठक/कानून व्यवस्था,
भ्रमण ~~अन्य प्रशासनिक~~ होने से पत्रावली
दिनांक ~~कार्य में व्यस्त~~ को पेश होवे।
27/3/18 आज्ञा से



रीडर
उपखण्ड अधिकारी, ऋषभदेव

27 ³/₂₀₁₈

पत्रावली पेश हुई। वादी मत्र अधिवक्ता आण भी
अनुपस्थित। मामले में बार-बार आवाने लगावने पर
भी न तो वादी उपस्थित हुआ तथा न ही उसके
अधिवक्ता। दिनांक 21/11/17 से आज दिनांक तक अर्थात्
लगभग 4 माह से इस मामले में न तो वादी उपस्थित
हो रहा है, न ही उसके अधिवक्ता। ऐसा प्रतीत होता
है कि वादी की उसके मामले में पेशी करने में कोई
खचि नहीं है।

अतः वादी तथा उनके अधिवक्ता के
^{पत्रावली} विगत नियत तारिख पेशियों से आज दिनांक तक
लगातार अनुपस्थित रहने से वादी का वाद
आइब हाजरी व इडम पेशी में खारिज किया
जाता है।

Handwritten notes in the top right corner, including "10/12/18" and "10/12/18".

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18, 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18
Date: 27/03/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten text: 10/12/18

Handwritten notes on the right margin, including "10/12/18" and "10/12/18".